सबका साथ, सबका विकास के आदर्श भावों के साथ सरकार अल्पसंख्यकों के जन कल्याणार्थ हेतु कटिबद्ध - डॉ. नजमा हेपतुल्ला

ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी (AIJMC) का प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन नेशनल माइनॉरिटी डेवलेपमेंट फायनांस कार्पोरेशन (NMDFC) एवं जीतो माइनॉरिटी सेल के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली के मिन्टो रोड़ स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में हुआ । अधिवेशन के उद्घाटक के रूप में भारत सरकार की अल्पसंख्यक कार्यमंत्री डॉ. श्रीमती नजमा हेपतुल्ला की सादर उपस्थिति रही, अधिवेशन में अतिथि के रुप में श्री मेघराज जैन, पारस चैनल के चेयरमेन श्री पंकज जैन, अहिंसा बिल्डर ग्रुप के चेयरमेन विपिन जैन की भी उपस्थिति रही जबकि मार्गदर्शक के रुप में NMDFC के मैनेजिंग डायरेक्टर मो. शाहबाज तथा मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन के सचिव श्री मधुकर नाईक उपस्थित रहे । श्री वी. भास्कर ने भारत सरकार की ओर से अल्पसंख्यक बिरादरी हेतु जन कल्याणार्थ योजनाओं पर प्रकाश डाला, अपने स्वागत भाषण में AIJMC के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललित गांधी ने कहा कि करीब डेढ़ साल पहले हमने इस संगठन का गठन किया गया था, अब तक विभिन्न राज्यों में तकरीबन 200 शाखाओं की स्थापना हो गई है व जम्मू कश्मीर एवं केरल को छोड़कर तमाम राज्यों में इस संगठन का विस्तार कर दिया गया हैं, आगामी दिनों में शेष बचे दोनो राज्यों में इस संगठन की शाखाएं प्रारंभ हो जाएगी, तकरीबन 13 राज्यों से समाहित 400 सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री ललित गांधी ने कहा कि इस संगठन की स्थापना के पीछे यह उद्देश्य था कि सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए जारी कल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक जैन तक पहुंचाना व सरकार को जैन हितों की रक्षा कराने हेतु अवगत कराना । श्री गांधी ने अधिवेशन में मौजूद केन्द्रीय मंत्री डॉ. नजमा हेपतुल्ला का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सरकार जैन ऐतिहासिक धरोहरों, तीर्थों आदि की सुरक्षा एवं उसके जीर्णोद्धार पर पूर्ण ध्यान दें । गत दिनों पाकिस्तान में एक जैन मंदिर को गिराए जाने के संबंध में पाकिस्तान को इस संबंध में कार्यवाई करने हेतु आग्रह किया । श्री गांधी ने कहा कि आये दिन जैन मंदिरों से प्रतिमाएं चोरी हो जाने की वारदाते घटित होती हैं, इस संबंध में कार्यवाही कर रोकथाम की जाए । उन्होंने कहा कि गत जनगणना में जैनों की संख्या 0.4 प्रतिशत के आस पास ही बताई गई हैं, जबकि जैनों की संख्या करोड़ों में है । अत: सरकार अपने स्रोतो से जैनों की जनगणना पुन: व्यवस्थित रुप से करावें, श्री गांधी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित सरकार की प्रशंसा की कि इस सरकार के कार्यकाल में माइनारिटी से जुड़े मुद्दों को तीव्रता से ध्यान दिया जा रहा है। श्री गांधी ने कहा कि हम लोग अल्पसंख्यक विभाग की अध्यक्ष डॉ. नजमा हेपतुल्ला से अनेक बार मिले और उन्होंने हमारे द्वारा दिए गए सुझावों पर तुरंत गौर किया और उन सुझावों को अमली जामा पहनाने में बिल्कुल देर नहीं की, इस अवसर पर डॉ. नजमा हेपतुल्ला को सम्मानित किया गया। डॉ. नजमा हेपतुल्ला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सरकार 'सब का साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है । वर्तमान समय में मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी एवं जैनों को अल्पसंख्यकों की सूची में समाहित है । जैनों को सबसे अंत में दर्जा मिला हैं, आपने कहा कि जैन समाज दयालु और अहिंसक हैं तथा शाकाहारी है । मैं अणुव्रत आंदोलन एवं तेरापंथ धर्म संघ से भी परिचित रही हूँ । मैं जैन समाज द्वारा श्रवणबेलगोला में आयोजित एक कार्यक्रम में भी गई हूँ, तथा कंबोडिया जैसे देश में भी जैन समुदाय के लोग रहते हैं, जैन धर्म अत्यंत प्राचीन है, मैं इसी भारत की पैदाइश हूँ, मैं मुस्लिम हूँ लेकिन मेरी एक पहचान और भी है वह पहचान है कि मैं एक हिन्दुस्तानी हूँ, मैं मौलाना अब्दुल कलाम खान के परिवार से हूँ, मैं उन्हीं के आदर्श विचारों को लेकर पली एवं आगे बढ़ी । आपने कहा कि हम अलग अलग धर्म व अलग अलग सोच के भले ही हैं लेकिन अनेकता में एकता का मंत्र भी समाया हुआ है । डॉ. नजमा ने कहा कि जैन समाज का हाथ सदैव देने वालों की सूची में रहा है, लेने वालों में नहीं लेकिन प्रत्येक समाज में अमीर गरीब सभी तरह के लोग रहते हैं, अत: गरीबी रेखा के अंतर्गत रहने वालों की भी स्थिति का आकलन आवश्यक है एवं उनकी समस्याओं को दूर करना भी जरुरी है । इनके विकास के लिए मात्र सरकार के भरोसे ही नहीं रहना चाहिए, इनकी मदद एवं सहयोग के लिए समाज को भी आगे आना चाहिए । प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि जब तक सबका विकास नहीं होता जब तक सफलता अधूरी है, प्रधानमंत्रीजी ने वादा किया है उसी के तहत हमने अल्पसंख्यकों से जुड़ी 86 लाख छात्रवृत्तियां प्रदान की है । इसमें अध्ययन, कोचिंग, विदेशों में पढ़ाई आदि से संबंधित है, जिसमें 46 प्रतिशत तो स्त्री शक्ति ही लाभान्वित हुई हैं, हमारे देश में राजा राममोहन रॉय ने महिलाओं की तरक्की व उनके अधिकारों हेतु संघर्ष किया । हमारी सरकार ने महिलाओं के स्वालंबन हेतु अनेक योजनाएं चलाई, इसी तरह एक छोटा व्यापारी भी अपने पांवों पर खड़ा हो और पर्याप्त रोजी रोटी कमाएं । माइनॉरिटी से जुड़े लोग अपने हुनर के बल पर व सरकार के सहयोग से अपना विकास करें । गुजरात में मुस्लिम बिरादरी के लोग भगवान के मुकुट बनाते हैं, सरकार की अनेक योजनाएं है जिनमें 'सीखो कमाओं' 'पढ़ो प्रदेश' 'नई रोशनी' आदि योजनाएं अल्पसंख्यकों के हितार्थ जारी की गई हैं । डॉ नजमा हेपतुल्ला ने कहा कि जैनों की जनसंख्या व धरोहरों तथा मंदिरों की रक्षा आदि मसले मेरे विभाग के अंतर्गत नहीं हैं, इसके लिए मानव संसाधन मंत्रालय, पुरातत्व आदि आदि अलग अलग विभाग हैं, मेरे विभाग से जुड़े मुद्दों के निवारण हेतु मेरे मंत्रालय के दरवाजे सदैव खुले हैं । इस अवसर पर मध्यप्रदेश से राज्य सभा सांसद श्री मेघराज जैन, पारस चैनल के श्री पंकज जैन, अहिंसा बिल्डर के श्री विनीत जैन तथा महिला प्रकोष्ठ की श्रीमती रुचिरा सुराणा ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए ।

साभार – गणपत भंसाली, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य - आल इंडिया जैन माइनारिटी सेल

टी.वी. मोबाइल और इंटरनेट से हो रहा युवा पीढ़ी का पतन – आचार्य श्री ज्ञानसागर ।

बच्चो, अध्यापकों एवं अधिकारियों को किया सम्मानित ।

विशाल जैन पवा । तालबेहट । वीर बुन्देलखण्ड की पावन धरा पर स्थित सिद्धक्षेत्र पावागिरि जी में सराकोद्धारक राष्ट्र संत आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के ससंघ मंगलमय सानिध्य में क्षेत्रीय मेधावी एवं प्रतिभावान बच्चों, प्रधानाध्यापकों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया । आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का शुभागमन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि जी की पावन धरा पर हुआ तो क्षेत्र प्रबंध समिति के तत्वावधान में भव्य आगवानी की गयी एवं मुनिश्री विप्र सागर जी महाराज ने चेलना नदी पहुंचकर आचार्य वन्दना की । गुरु भक्ति का विहंगम दृश्य देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गये एवं वातावरण सत्य, अहिंसा और आचार्य श्री के जयकारे से गूंज उठा । सिद्धक्षेत्र के द्वार आचार्य श्री पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती की गयी तत्पश्चात् अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मस्तष्काभिषेक किया गया । दोपहर की बेला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें विकास खण्ड तालबेहट अन्तर्गत संकुल खांदी के 39 प्राथमिक, 15 पूर्व माध्यमिक एवं 13 मान्यता प्राप्त कुल 67 विद्यालय के 74 मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों, प्रधानाध्यापकों और वर्ष 2014-15 के हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जैन समाज के बच्चों ने भाग लिया । कार्यक्रम के शुभारम्भ में सिद्धक्षेत्र के संरक्षक कैलाश चन्द्र जैन विश्व परिवार झांसी, पूर्व केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, सदर विधायक रमेश कुशवाहा, उपजिलाधिकारी रत्नाकर मिश्र, क्षेत्राधिकारी कुंवरबहादुर सिंह, सदर विधायक रमेश कुशवाहा, तहसीलदार प्रीति जैन सहित आगन्तुक विद्धानों ने मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चित्र अनावरण कर ज्ञान दीप प्रज्वलित किया । मंगलाचरण, रश्मि दीदी एवं रजनी दीदी ने किया । इस अवसर पर आचार्य श्री ने सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास करने की बहुत आवश्यकता है। संस्कारों के अभाव में हमारा बच्चा देश की संस्कृति को भूलता जा रहा है। हमारा देश 75 प्रतिशत कृषि पर आधारित राष्ट्र है, जो जीविकोपार्जन का सबसे उत्तम साधन है । उन्होनें कहा कि आज के युग में टी.वी., मोबाइल और इण्टरनेट से युवा पीढ़ी का पतन हो रहा है । यह मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है । जिससे डिप्रेशन, टेंशन जैसी बीमारी शहर से गांव की ओर भी बढ़ती जा रही है । आचार्य श्री ने सात्विक भोजन करने का संदेश देते हुए कहा कि बड़े बड़े वैज्ञानिकों, डॉक्टरों ने भी शाकाहार को सर्वोत्तम आहार बताया है, जिसे विदेशियों ने भी स्वीकार कर लिया, लेकिन हमारे देश के निवासी भारतीय खानपान को भूलते जा रहे है । यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है । उन्होंने कहा कि संडे हो या मंडे, कभी न खाओ अंडे, जो किसी भी दृष्टि से शाकाहार नहीं है । वह भी तुम्हारे बच्चे की तरह किसी जीव का अंश है । पुलिस अधीक्षक बालेन्दु भूषण सिंह ने कठिन परिश्रम को सफलता का मूल मंत्र बताया एवं बच्चों से जीवन में हमेशा कठिन परिश्रम करने का आव्हान किया तथा सम्मान समारोह के इस कार्य के लिए क्षेत्र प्रबंध समिति का अभिवादन किया । अंत में सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को सम्मान पत्र एवं पुरस्कार भेंट किये गये । इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राजेशकुमार यादव, उदयप्रताप यादव, संकुल प्रभारी कृष्णचन्द्र दुबे, ऋषभकुमार, प्रवीण जैन झांसी, प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा, राजकुमार पवा, शिखरचन्द्र कड़ेसरा, सिंघई सुमत, आनंद जैन, राकेश मोदी, विनोद बैरागी, अभयकुमार, सुकमाल बिरधा, अखिलेश जैन, विकास भंडारी, सौरभ जैन, प्रवीण कड़ेसरा आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचन्द्र पुरा एवं विशाल पवा ने संयुक्त रूप से किया । आभार व्यक्त जयकुमार कंधारी ने किया ।